दुश्मन के रूबरू मज़बूती

रूहुल क़ुद्स की ज़बरदस्त हिमायत

dushman ke rūbarū mazbūtī. rūhul quds kī zabardast himāyat

Firmness in the Face of the Enemy. The Incredible Support of the Holy Spirit

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 30]

(Urdu—Hindi script)

© 2024 www.chashmamedia.org
published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is a collage including garzapaloelhermano https://pixabay.com/illustrations/art-design-fire-dove-symbol-flame-7148539/; Clker-Free-Vector-Images https://pixabay.com/vectors/fire-flames-burn-heat-warm-297752/; ditto https://pixabay.com/vectors/fire-flame-red-heat-hot-305227/; VOLLEX https://pixabay.com/vectors/koster-flame-fire-1898042/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

दुश्मन के रूबरू मज़बूत रहो	1
गवाही देने की मज़बूती पाओ	5
माफ़ी की मज़बूती पाओ	7
रास्तबाज़ी की मज़बूती पाओ	8
छुटकारे की मज़बूती पाओ	9
सच्चाई की मज़बूती पाओ	10
इंजील, यूहन्ना 15:18–16:15	12

इस दुनिया को छोड़कर चले जाने से पहले ईसा मसीह अपने शागिर्दों को उस वक़्त के लिए तैयार करना चाहता था जब वह उनके साथ नहीं होगा। उसने फ़रमाया कि मत घबराओ, तुम अकेले नहीं रहोगे। रूहुल-क़ुद्स तुम पर नाज़िल होगा। वही मेरी क़ुरबत और मदद दिलाएगा। इस सिलसिले में मसीह ने एक नया पहलू छेड़ा—दुश्मन के रूबरू मज़बूती। हम मुख़ालिफ़ों के सामने किस तरह मज़बूत रह सकते हैं? यह इस सबक़ का मज़मून है। पहली बात,

दुश्मन के रूबरू मज़बूत रहो

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> अगर दुनिया तुमसे दुश्मनी रखे तो यह बात ज़हन में रखो कि उसने तुमसे पहले मुझसे दुश्मनी रखी है। (यूहन्ना 15:18)

► **इस बात में दुनिया कौन है?**
दुनिया वह सब हैं जो ख़ुदा के ताबे नहीं रहते।

► **जो मसीह पर ईमान लाए हैं क्या वह भी दुनिया के हैं?**

नहीं। मसीह ने फ़रमाया,

> अगर तुम दुनिया के होते तो दुनिया तुमको अपना समझकर प्यार करती। लेकिन तुम दुनिया के नहीं हो। मैंने तुमको दुनिया से अलग करके चुन लिया है।
> (यूहन्ना 15:19)

► **जो ईमान रखते हैं वह दुनिया के नहीं हैं। क्यों?**
इसलिए कि ईसा मसीह ने उन्हें दुनिया से अलग करके चुन लिया है।

► **क्या दुनिया ख़ुश है कि मसीह ने ईमानदारों को अलग कर लिया है?**
नहीं। ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> अगर उन्होंने मुझे सताया है तो तुम्हें भी सताएँगे।
> (यूहन्ना 15:20)

► **यह नाख़ुशी किस तरह मालूम होती है?**
यह नाख़ुशी सताने से मालूम होती है। जिन्होंने मसीह को सताया वह उसके शागिर्दों को सताने के लिए हर रास्ता निकालेंगे। ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> लेकिन तुम्हारे साथ जो कुछ भी करेंगे, मेरे नाम की वजह से करेंगे, क्योंकि वह उसे नहीं जानते जिसने मुझे भेजा है। (यूहन्ना 15:21)

- **दुनिया के लोग किसके नाम की वजह से ईमानदारों को सताएँगे?**
  वह मसीह के नाम की वजह से उन्हें सताएँगे।
- **वह उन्हें क्यों सताएँगे?**
  वह ख़ुदा बाप को नहीं जानते जिसने उसे भेजा था।
- **वह किस लिहाज़ से ख़ुदा बाप को नहीं जानते?**
  ईसा मसीह ने ख़ुदा बाप की मरज़ी उन पर ज़ाहिर की लेकिन उन्होंने उसे क़बूल नहीं किया था। इसलिए वह ख़ुदा बाप को नहीं जानते।
- **यहाँ इसका क्या मतलब है कि वह ख़ुदा बाप को नहीं जानते?**
  यहाँ इसका मतलब यह नहीं है कि वह ख़ुदा के बारे में इल्म नहीं रखते। यहाँ इसका मतलब है कि उनका ख़ुदा से रिश्ता नहीं है, ताल्लुक़ नहीं है। उन्होंने उसकी मरज़ी रद करके उसके घरवाले बनने से इनकार किया है।

ग़रज़, ईमानदारों को दूसरों के हमलों के लिए चौकस रहना चाहिए। वह हैरान न हों अगर उन्हें सताया जाए। और यह सताना कई बार बहुत सख़्त होगा। ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> वह तुमको यहूदी जमातों से निकाल देंगे, बल्कि वह वक़्त भी आनेवाला है कि जो भी तुमको मार डालेगा वह समझेगा, 'मैंने अल्लाह की ख़िदमत की है।' (यूहन्ना 16:2)

► **ईमानदारों के साथ क्या किया जाएगा?**

- उन्हें जमातों से निकाल दिया जाएगा। मतलब है उन्हें बिरादरी से और कई बार घर से भी ख़ारिज किया जाएगा।
- लोग ईमानदारों को मार डालेंगे यह समझकर कि मैंने अल्लाह की ख़िदमत की है।

ग़रज़, यह कोई नई बात नहीं है कि लोगों को ईमान के बाइस घर और बिरादरी से भगाया जाता है।

► **क्या ऐसे सतानेवाले सचमुच दीनदार होते हैं?**

नहीं। ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> वह इस क़िस्म की हरकतें इसलिए करेंगे कि उन्होंने न बाप को जाना है, न मुझे। (यूहन्ना 16:3)

यों ईसा मसीह मुझसे और आपसे पूछ रहा है कि क्या तुम दुनिया की दुश्मनी सहने के लिए तैयार हो? फिर भी वह हमें डराना नहीं चाहता। उसका फ़रमान है कि मत घबराओ, क्योंकि तुम्हें एक अज़ीम मददगार मिलेगा। रूहुल-क़ुद्स तुम पर नाज़िल होगा जो तुम्हें दुश्मन का सामना

करने की मज़बूती दिलाएगा। किस तरह? वह तुम्हारा दिल पाँच बातों से भरकर मज़बूती दिलाएगा। पहली बात,

गवाही देने की मज़बूती पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> जब वह मददगार आएगा जिसे मैं बाप की तरफ़ से तुम्हारे पास भेजूँगा तो वह मेरे बारे में गवाही देगा। वह सच्चाई का रूह है जो बाप में से निकलता है। तुमको भी मेरे बारे में गवाही देना है, क्योंकि तुम इब्तिदा से मेरे साथ रहे हो। (यूहन्ना 15:26-27)

► **ईसा मसीह रूहुल-क़ुद्स भेजेगा तो वह क्या करेगा?**
वह ईसा मसीह के बारे में गवाही देगा।

► **जब लोग हमारे ख़िलाफ़ खड़े हो जाएँ तो यह क्यों अहम है कि हम रूहुल-क़ुद्स की गवाही पाएँ?**
जब डाँवाँडोल होने का ख़तरा है तो रूहुल-क़ुद्स हमें मसीह के काम और कलाम की याद दिलाता है। न सिर्फ़ यह बल्कि वह हमें मसीह की क़ुरबत भी दिलाता है। तब हम अपनी ज़िंदगी और बातों से मसीह के बारे में पुख़्ता गवाही दे सकते हैं।

► **क्या आपको गवाही देने की ताक़त मिल गई है?**

ईमान लाने से आपका दिल रूहुल-क़ुद्स की गवाही से भर जाता है। तब आप मज़बूती से मुख़ालिफ़ दुनिया का सामना कर सकते हैं।

फिर ईसा मसीह ने एक पहेली पेश की। उसने रूहुल-क़ुद्स के बारे में फ़रमाया,

> जब वह आएगा तो गुनाह, रास्तबाज़ी और अदालत के बारे में दुनिया की ग़लती को बेनिक़ाब करके यह ज़ाहिर करेगा : **गुनाह** के बारे में यह कि लोग मुझ पर ईमान नहीं रखते, **रास्तबाज़ी** के बारे में यह कि मैं बाप के पास जा रहा हूँ और तुम मुझे अब से नहीं देखोगे, और **अदालत** के बारे में यह कि इस दुनिया के हुक्मरान की अदालत हो चुकी है। (यूहन्ना 16:8-11)

रूहुल-क़ुद्स तीन बातों में दुनिया की ग़लती बेनिक़ाब करेगा—गुनाह, रास्तबाज़ी और अदालत के बारे में उसकी ग़लती। हम यह पहेली किस तरह सुलझा सकते हैं?

यह समझने के लिए यह जानना ज़रूरी है कि जो भी ईमान लाए उसे तीन चीज़ें मिलती हैं : गुनाह की माफ़ी, मसीह की रास्तबाज़ी और अदालत से छुटकारा। यही तीन चीज़ें दुनिया कभी नहीं पा सकती। दुनिया अपने गुनाह, अपने झूठ और इलाही अदालत से नजात नहीं पा सकती। हाँ, वह यह बात मानती भी नहीं। इसलिए रूहुल-क़ुद्स उसकी यह ग़लती बेनिक़ाब करता रहेगा। दूसरी तरफ़ रूहुल-क़ुद्स इन तीन

बातों से ईमानदारों को मज़बूत करता रहेगा ताकि वह दुनिया के हमलों से बचे रहें। इसलिए दूसरी बात,

माफ़ी की मज़बूती पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया कि रूहुल-क़ुद्स गुनाह के बारे में दुनिया की ग़लती बेनिक़ाब करेगा।

► **वह गुनाह के बारे में दुनिया की ग़लती किस तरह बेनिक़ाब करेगा?**

दुनिया की ग़लती इससे बेनिक़ाब होगी कि लोग मसीह पर ईमान नहीं रखते।

► **ईमान न रखना क्यों गुनाह का सबूत है?**

ईसा मसीह के वसीले से हमारे गुनाह माफ़ हुए हैं। सिर्फ़ एक वजह है कि इनसान को मसीह की माफ़ी न मिले। वजह यह है कि वह ईमान न लाए। जो ईमान नहीं लाता उसका छुटकारा नामुमकिन है। दुनिया का यही हाल है। वह नहीं समझती कि मुझे उस माफ़ी की ज़रूरत है जो सिर्फ़ ईसा मसीह दे सकता है। लेकिन ईमानदार को पता है कि यही बात मुझे डाँवाँडोल हो जाने से बचाती है।

► **क्या आपको मसीह की माफ़ी मिल गई है?**

ईमान लाने से आपका दिल रूहुल-क़ुद्स की मदद से माफ़ी की ख़ुशी से भर जाता है। तब आप मज़बूती से मुख़ालिफ़ दुनिया का सामना कर सकते हैं। तीसरी बात,

रास्तबाज़ी की मज़बूती पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया कि रूहुल-क़ुद्स रास्तबाज़ी के बारे में दुनिया की ग़लती को बेनिक़ाब करेगा।

► **वह यह किस तरह करेगा?**

इससे कि ईसा मसीह ख़ुदा बाप के पास जा रहा है।

► **ख़ुदा बाप के पास जाने का क्या मतलब है?**

ख़ुदा बाप के पास जाने का रास्ता सलीबी मौत थी। इस सलीबी मौत से हमें न सिर्फ़ उसकी माफ़ी हासिल हुई बल्कि उसकी रास्तबाज़ी भी।

► **सलीबी मौत से हमें रास्तबाज़ी किस तरह हासिल हुई?**

इनसान अपनी ताक़त से ख़ुदा के सामने रास्तबाज़ नहीं ठहर सकता। वह अपनी ताक़त से कभी वह पाकीज़गी हासिल नहीं कर सकता जिससे वह ख़ुदा के हुज़ूर रास्तबाज़ ठहर सके। इसलिए ईसा मसीह ने हमारी सज़ा अपने ऊपर ली ताकि हम ख़ुदा बाप के सामने रास्तबाज़ ठहरें। यह हमारी अपनी रास्तबाज़ी नहीं बल्कि उसी की है। इसलिए हमारी नजात यक़ीनी है : यह काम हमसे नहीं बल्कि उससे हुआ जिसका हर काम ठोस और पक्का है।

दुनिया समझती है कि मेरी रास्तबाज़ी ठीक ही है। वह यह नहीं मानती कि ईसा मसीह को मेरी ख़ातिर मरने की ज़रूरत थी ताकि मुझे

उसकी रास्तबाज़ी हासिल हो। रूहुल-क़ुद्स दुनिया की यह ग़लती बेनिक़ाब करेगा, और अदालत के दिन दुनिया को अपनी ग़लती खुले-आम माननी पड़ेगी। इसके मुक़ाबले में जिसे ईसा मसीह की रास्तबाज़ी हासिल है वह रूहुल-क़ुद्स से मज़बूत रहता है।

► **क्या आपको मसीह की रास्तबाज़ी मिल गई है?**

ईमान लाने से आपका दिल रूहुल-क़ुद्स की मदद से रास्तबाज़ी की ख़ुशी से भर जाता है। तब आप मज़बूती से मुख़ालिफ़ दुनिया का सामना कर सकते हैं। चौथी बात,

छुटकारे की मज़बूती पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया कि रूहुल-क़ुद्स अदालत के बारे में दुनिया की ग़लती बेनिक़ाब करेगा।

► **वह यह किस तरह बेनिक़ाब करेगा?**

इससे कि इस दुनिया के हुक्मरान की अदालत हो चुकी है।

► **दुनिया का हुक्मरान कौन है?**

इबलीस।

► **उसकी अदालत किस तरह हो चुकी है?**

मसीह की मौत से हर वह इनसान इबलीस के क़ब्ज़े से छूट गया जो मसीह पर ईमान लाया है। अपनी मौत और जी उठने से मसीह ने इबलीस पर फ़तह पाकर उसकी अदालत की। अब तक इबलीस गरजते हुए शेर-बबर की तरह इधर-उधर घूमकर सबको हड़प कर

लेने की तलाश में रहता है। लेकिन उसकी हुकूमत महदूद है। एक दिन ईसा मसीह वापस आकर उसे उसके चेलों समेत पकड़कर जहन्नुम में डाल देगा। लेकिन जो मसीह पर ईमान लाए हैं उनका छुटकारा यक़ीनी है।

► **क्या आपको मसीह का छुटकारा मिल गया है?**

ईमान लाने से आपका दिल रूहुल-क़ुद्स की मदद से छुटकारे की ख़ुशी से भर जाता है। तब आप मज़बूती से मुख़ालिफ़ दुनिया का सामना कर सकते हैं। मगर ख़बरदार। अगर ईमान न लाए तो आपकी अदालत यक़ीनी है। आख़िरी बात,

सच्चाई की मज़बूती पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> मुझे तुमको मज़ीद बहुत कुछ बताना है, लेकिन इस वक़्त तुम उसे बरदाश्त नहीं कर सकते। जब सच्चाई का रूह आएगा तो वह पूरी सच्चाई की तरफ़ तुम्हारी राहनुमाई करेगा। (यूहन्ना 16:12-13)

► **रूहुल-क़ुद्स को क्या नाम दिया गया है?**

सच्चाई का रूह।

► **इसका क्या मतलब है?**

उस पर पूरा भरोसा रखा जा सकता है क्योंकि वह सरासर सच्चा है। उसमें झूठ नहीं है।

► **सच्चाई का यह रूह क्या करेगा?**

यह पूरी सच्चाई की तरफ़ हमारी राहनुमाई करेगा।

► **वह यह किस तरह करेगा?**

- उसने ईसा मसीह की हर बात क़लमबंद करने में शागिर्दों की मदद की।
- लेकिन आज भी वह हमारी राहनुमाई करता है।

► **आज वह किस तरह हमारी राहनुमाई करता है?**

- वह ख़ुदा की मरज़ी समझने में हमारी राहनुमाई करता है।
- इस टेढ़ी-मेढ़ी दुनिया में वह ख़ुदा की मरज़ी पर अमल करने में हमारी राहनुमाई करता है।

► **क्या आप को रूह की सच्चाई मिल गई है?**

ईमान लाने से आपका दिल रूहुल-क़ुद्स की मदद से सच्चाई की ख़ुशी से भर जाता है। तब आप मज़बूती से मुख़ालिफ़ दुनिया का सामना कर सकते हैं।

ग़रज़ मसीह की इन बातों से रूहुल-क़ुद्स का अहम किरदार ख़ूब मालूम होता है। जो ईमान रखता है उसके लिए दुनिया की दुश्मनी पक्की है। लेकिन ईमान लाने से उसे एक ऐसा मददगार मिलता है जो हर तरह से उसकी मदद करेगा। जब दुनिया उस पर हमला करेगी तो उसका दिल मज़बूत रहेगा। क्योंकि वह गवाही देने की ख़ुशी से भर जाएगा;

वह मसीह की माफ़ी, रास्तबाज़ी और छुटकारे की ख़ुशी से भर जाएगा; और वह रूह की सच्चाई से भर जाएगा।

► **क्या आपको यह मददगार हासिल हुआ है?**

इंजील, यूहन्ना 15:18–16:15

अगर दुनिया तुमसे दुश्मनी रखे तो यह बात ज़हन में रखो कि उसने तुमसे पहले मुझसे दुश्मनी रखी है। अगर तुम दुनिया के होते तो दुनिया तुमको अपना समझकर प्यार करती। लेकिन तुम दुनिया के नहीं हो। मैंने तुमको दुनिया से अलग करके चुन लिया है। इसलिए दुनिया तुमसे दुश्मनी रखती है। वह बात याद करो जो मैंने तुमको बताई कि ग़ुलाम अपने मालिक से बड़ा नहीं होता। अगर उन्होंने मुझे सताया है तो तुम्हें भी सताएँगे। और अगर उन्होंने मेरे कलाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारी तो वह तुम्हारी बातों पर भी अमल करेंगे। लेकिन तुम्हारे साथ जो कुछ भी करेंगे, मेरे नाम की वजह से करेंगे, क्योंकि वह उसे नहीं जानते जिसने मुझे भेजा है। अगर मैं आया न होता और उनसे बात न की होती तो वह क़ुसूरवार न ठहरते। लेकिन अब उनके गुनाह का कोई भी उज़्र बाक़ी नहीं रहा। जो मुझसे दुश्मनी रखता है वह मेरे बाप से भी दुश्मनी रखता है। अगर मैंने उनके दरमियान ऐसा काम न किया होता जो किसी

और ने नहीं किया तो वह क़ुसूरवार न ठहरते। लेकिन अब उन्होंने सब कुछ देखा है और फिर भी मुझसे और मेरे बाप से दुश्मनी रखी है। और ऐसा होना भी था ताकि कलामे-मुक़द्दस की यह पेशगोई पूरी हो जाए कि 'उन्होंने बिलावजह मुझसे कीना रखा है।'

जब वह मददगार आएगा जिसे मैं बाप की तरफ़ से तुम्हारे पास भेजूँगा तो वह मेरे बारे में गवाही देगा। वह सच्चाई का रूह है जो बाप में से निकलता है। तुमको भी मेरे बारे में गवाही देना है, क्योंकि तुम इब्तिदा से मेरे साथ रहे हो।

मैंने तुमको यह इसलिए बताया है ताकि तुम गुमराह न हो जाओ। वह तुमको यहूदी जमातों से निकाल देंगे, बल्कि वह वक़्त भी आनेवाला है कि जो भी तुमको मार डालेगा वह समझेगा, 'मैंने अल्लाह की ख़िदमत की है।' वह इस क़िस्म की हरकतें इसलिए करेंगे कि उन्होंने न बाप को जाना है, न मुझे। मैंने तुमको यह बातें इसलिए बताई हैं कि जब उनका वक़्त आ जाए तो तुमको याद आए कि मैंने तुम्हें आगाह कर दिया था।

मैंने अब तक तुमको यह नहीं बताया क्योंकि मैं तुम्हारे साथ था। लेकिन अब मैं उसके पास जा रहा हूँ जिसने मुझे भेजा है। तो भी तुममें से कोई मुझसे नहीं पूछता, 'आप कहाँ जा रहे हैं?' इसके बजाए तुम्हारे दिल ग़मज़दा हैं कि मैंने तुमको ऐसी बातें बताई हैं। लेकिन मैं तुमको सच बताता हूँ कि तुम्हारे लिए फ़ायदामंद है

कि मैं जा रहा हूँ। अगर मैं न जाऊँ तो मददगार तुम्हारे पास नहीं आएगा। लेकिन अगर मैं जाऊँ तो मैं उसे तुम्हारे पास भेज दूँगा। और जब वह आएगा तो गुनाह, रास्तबाज़ी और अदालत के बारे में दुनिया की ग़लती को बेनिक़ाब करके यह ज़ाहिर करेगा : गुनाह के बारे में यह कि लोग मुझ पर ईमान नहीं रखते, रास्तबाज़ी के बारे में यह कि मैं बाप के पास जा रहा हूँ और तुम मुझे अब से नहीं देखोगे, और अदालत के बारे में यह कि इस दुनिया के हुक्मरान की अदालत हो चुकी है।

मुझे तुमको मज़ीद बहुत कुछ बताना है, लेकिन इस वक़्त तुम उसे बरदाश्त नहीं कर सकते। जब सच्चाई का रूह आएगा तो वह पूरी सच्चाई की तरफ़ तुम्हारी राहनुमाई करेगा। वह अपनी मरज़ी से बात नहीं करेगा बल्कि सिर्फ़ वही कुछ कहेगा जो वह ख़ुद सुनेगा। वही तुमको मुस्तक़बिल के बारे में भी बताएगा। और वह इसमें मुझे जलाल देगा कि वह तुमको वही कुछ सुनाएगा जो उसे मुझसे मिला होगा। जो कुछ भी बाप का है वह मेरा है। इसलिए मैंने कहा, ‘रूह तुमको वही कुछ सुनाएगा जो उसे मुझसे मिला होगा।’